<u>प्रेस नोट</u>

दीव में अधिकारी वर्ग के लिए आयोजित हुई हिन्दी कार्यशाला

दीव- संघ प्रदेश दमण एवं दीव प्रशासन के दीव जिला प्रशासन के राजभाषा विभाग द्वारा 04/03/2014 को अधिकारियों के लिए एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन सर्वशिक्षा अभियान के सभागार में किया गया । कार्यशाला में दीव प्रशासन के अधिकारियों सहित सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों, केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों के अधिकारीगण उपस्थित रहे । इण्डियन ऑयल, बडौदा के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबन्धक डॉ. माणिक मृगेश ने कार्यशाला में व्याख्यान दिया । कार्यशाला पूर्वाह्न 10:00 बजे प्रारम्भ हुआ एवं अपराह्न 05:00 बजे समाप्त हुआ । कार्यशाला के उद्घाटन समारोह के दौरान श्री ज्ञान सिंह मीणा, उप मण्डलीय पुलिस अधिकारी, दीव ने बताया कि हम हिन्दुस्तानी हैं । हिन्दी हमारी संस्कृति है । इसी संस्कृति के आधार पर हमारी सभ्यता देश-विदेश में उजागर होती है । इसलिए हम सबको मिलकर हिन्दी में काम करना चाहिए एवं इसके प्रसार को बढ़ाना चाहिए । व्याख्याता अधिकारी डॉ. माणिक मृगेश ने वैदिक संस्कृत काल से लेकर आधुनिक हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तक एवं संविधान सभा द्वारा हिन्दी को देश की राजभाषा के रूप में मान्यता मिलने के बारे में विस्तृत जानकारी दी, राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को आसान बनाने के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग की भूमिका, राजभाषा नीतियों का संक्षेप परिचय एवं कार्यालय कार्य करते समय हिन्दी के सरल उपयोग के बारे में व्याख्यान दिया ।

कार्यशाला के अन्त में दीव जिला समाहर्ता श्री विनोद पी. कावले, भाप्रसे ने उपस्थित अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा के साथ-साथ राजभाषा है । आम जनता को प्रशासन के प्रगतिमूलक कार्यों में हिस्सेदार बनाने के लिए हमें हिन्दी में यानीकि देश की राजभाषा में कार्य करते हुए गौरवान्वित होना चाहिए । उन्होंने सभी अधिकारियों को सरले हिन्दी में काम करने के लिए आह्वान किया एवं अगली कार्यशाला में पंचायत स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी शामिल करते हुए हिन्दी के प्रसार को बढ़ाने की दिशा में कदम उठाने को मार्गदर्शन दिया । राजभाषा विभाग,दीव के श्री सुनील कुमार तिवारी वरिष्ठ अनुवादक एवं श्री अरुण कुमार पाण्डेय ने कार्यशाला के आयोजन में भरपूर सहयोग दिया । श्री पाण्डेय ने बखूबी मंच संचालन किया एवं सहायक निदेशक(राजभाषा), दीव ने उपस्थित अधिकारियों सहित जिला समाहर्ता एवं व्याख्याता अधिकारी डॉ. माणिक मृगेश का आभार प्रकट किया ।